भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 603

06 फरवरी, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: पोषण संवेदी कृषि

603. डॉ. थोल तिरुमावलवनः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा पोषण संवेदी कृषि के कार्यान्वयन हेतु कोई योजना अथवा नीति बनाई गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने पोषण संवेदी कृषि को बढ़ावा देने के लिए खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के सहयोग से कोई कार्यक्रम शुरू किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री अर्जुन मुंडा)

(क) से (घ): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के नेटवर्क के माध्यम से देशभर के 75 गांवों तक पहुंचने के लिए "न्यूट्री-स्मार्ट विलेज" पर एक कार्यक्रम कार्यान्वित किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और स्कूली बच्चों को शामिल करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण संबंधी जागरूकता का प्रसार, शिक्षा और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना, कुपोषण को दूर करने के लिए स्थानीय नुस्खे के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना और होमस्टेड कृषि और न्यूट्री-गार्डन के माध्यम से पोषण-संवेदनशील कृषि को कार्यान्वित करना है। सम्मिलित प्रयासों से 150 बायोफोर्टिफाइड किस्मों का विकास किया गया है, जिनमें पोषणयुक्त 132 फील्ड फसलें और बागवानी फसलों की 18 किस्में शामिल हैं। आईसीएआर ने स्वास्थ्य और पोषण साक्षरता पर जागरूकता पैदा करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के माध्यम से पोषण-संवेदनशील कृषि संसाधन और नवाचार (एनएआरआई) कार्यक्रम भी कार्यान्वित किया है। केवीके ने एनएआरआई कार्यक्रम के तहत ऑन-फार्म परीक्षण, पोषणयुक्त बायोफोर्टिफाइड किस्मों पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, प्रशिक्षण और विभिन्न विस्तार गतिविधियां आयोजित कीं। केवीके ने पोषण उद्यान, न्यूट्री-थाली, मूल्य-संवर्धन, बायो-फोर्टिफाइड फसलों आदि को बढ़ावा देने जैसे विभिन्न क्षेत्रों के तहत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और विस्तार गतिविधियाँ आयोजित कीं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत बायोफोर्टिफाइड किस्मों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसे दलहन, चावल, गेहूं, मोटे अनाज (मक्का और जौ) और पोषक अनाज (श्री अन्न) के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है। भारत सरकार ने उच्च पोषण वाले मिलेट (श्री अन्न) को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईएम) के रूप में मनाया है।

"विस्तार सुधारों के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों को सहायता" योजना के तहत राज्य सरकारों को किसान प्रशिक्षण, प्रदर्शनों, एक्सपोज़र विजिट, किसान मेला के माध्यम से तथा किसान हित समूहों एवं महिला खाद्य और पोषण समूहों को संगठित करके और पुरस्कृत किसानों के खेतों में फार्म स्कूल की स्थापना करके किसानों के बीच पोषण संवेदनशील कृषि सहित कृषि और संबद्ध क्षेत्र के विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों और अच्छी कृषि पद्धतियों को उपलब्ध कराने के प्रयासों को सहायता प्रदान की जाती है।

खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में सरकारी एजेंसियों, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य भागीदारों के सहयोग से देश में पोषण-संवेदनशील कृषि और कृषि खाद्य प्रणालियों के मदों को आगे बढ़ाया है।

*****